समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अक्तूबर २०२१ • वर्ष ७२ • अंक १०

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

१७ अक्तूबर २०२१ को आयोजित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा में (ऊपर, बायें से - जूम पर) राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री अशोक जालान, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंदलाल रूँगटा, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार सुरेका, (नीचे, बायें से - केन्द्रीय कार्यालय सभागार में) संयुक्त राष्ट्रीय महामंत्रीद्वय श्री गोपाल अग्रवाल एवं श्री सुदेश अग्रवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर बिदावतका तथा सूचना-तकनीक एवं वेबसाइट उपसमिति के चेयरमैन श्री कैलाशपति तोदी।

इस अंक में :

- **अध्यक्षीय :** हमारा युवा वर्ग समाज का गौरव है
- **सम्पादकीय :** आज के समाज का दर्पण
- **रपट :** वार्षिक साधारण सभा, प्रादेशिक गतिविधियाँ - बिहार, उत्कल, झारखंड, दिल्ली, छत्तीसगढ़ एवं पूर्वोत्तर
- सम्मेलन में नये सदस्यों का स्वागत

विजयदशमी एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनायें !

www.rungtasteel.com

Rungta Mines Limited
Chaibasa

KYONKI
GHAR
HAR ROZ
NAHI BANTA

RUNGTA STEEL®
TMT BAR

EKDUM SOLID!

thumbprint/RS/E/1

STEEL DIVISION
RUNGTA CHAMBERS
S.M.H.M.V. COMPLEX, CHAIBASA - 833201
WEST SINGHBHUM, JHARKHAND, INDIA

Toll Free:
1800 890 5121
E-mail: tmtmkt@rungtamines.com

समाज विकास

◆ अक्तूबर २०२१ ◆ वर्ष ७२ ◆ अंक १०
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** आज के समाज का दर्पण	४-५
● **अध्यक्षीय : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** हमारा युवा वर्ग समाज का गौरव है	६-७
● **रपट –**	
वार्षिक साधारण सभा	८-९
बिहार सम्मेलन	१०
उत्कल सम्मेलन	१५
झारखंड सम्मेलन	१६
● प्रादेशिक समाचार	१७-१८
● **देव-स्तुति : डॉ. जुगल किशोर सर्राफ**	१९
● सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत	२०-२२

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

प्रेरक प्रसंग

संघर्ष

एक किसान बहुत परेशान था। कभी बाढ़ आ जाये, कभी सूखा पड़ जाए, कभी धूप बहुत तेज हो जाए तो कभी ओले पड़ जायें। कई बार किसी न किसी कारण से उसकी फसल थोड़ी खराब हो जाती थी। तंग आ कर उसने एक दिन परमात्मा से कहा – देखिये प्रभु, मानता हूँ कि आप परमात्मा हैं, लेकिन लगता है आपको खेती-बाड़ी की ज्यादा जानकारी नहीं है। एक प्रार्थना है कि एक साल मुझे मौका दीजिये, जैसा मैं चाहूँ वैसा मौसम हो, फिर आप देखना मै कैसे अन्न के भण्डार भर दूँगा। परमात्मा मुस्कुराये और कहा – ठीक है, अगले एक साल मौसम तुम्हारी इच्छानुसार रहेगा, मैं दखल नहीं दूँगा।

अब, किसान ने गेहूँ की फसल बोई। जब धूप चाही, तब धूप मिली; जब पानी चाही, तब पानी। तेज धूप, ओले, बाढ़, आँधी तो उसने आने ही नहीं दी। समय के साथ फसल बढ़ी और किसान की ख़ुशी भी क्योंकि ऐसी फसल तो आज तक नहीं हुई थी। किसान ने मन ही मन सोचा अब पता चलेगा परमात्मा को कि फसल कैसे करते हैं, बेकार ही इतने बरस हम किसानों को परेशान करते रहे।

फसल काटने का समय आया, किसान बड़े गर्व से फसल काटने गया। लेकिन यह क्या, जैसे ही फसल काटनी शुरू की एकदम से छाती पर हाथ रख कर बैठ गया! गेहूँ की एक भी बाली के अन्दर दाना नहीं था, सारी बालियाँ अन्दर से खाली थी। बहुत दुखी होकर उसने परमात्मा से कहा – प्रभु ये क्या हुआ?

तब परमात्मा बोले – ये तो होना ही था, तुमने पौधों को संघर्ष का ज़रा सा भी मौका नहीं दिया। ना तेज धूप में उनको तपने दिया, ना आँधी-ओलों से जूझने दिया, उनको किसी प्रकार की चुनौती का अहसास जरा भी नहीं होने दिया, इसीलिए सब पौधे खोखले रह गए। जब आँधी आती है, तेज बारिश होती है, ओले गिरते हैं तब पौधा अपने बल से ही तो खड़ा रहता है, अपना अस्तित्व बचाने को संघर्ष करता है। इस संघर्ष से जो बल पैदा होता है वो ही उसे शक्ति देता है, उर्जा देता है, उसकी जीवट ता को उभारता है। सोने को भी कुंदन बनने के लिए आग में तपने, हथौड़ी से पिटने, गलने जैसी चुनोतियों से गुजरना पड़ता है, तभी उसकी स्वर्णिम आभा उभरती है जो उसे अनमोल बनाती है। **जिंदगी में भी अगर संघर्ष ना हो, चुनौती ना हो तो आदमी खोखला ही रह जाता है, उसके अन्दर कोई गुण नहीं आ पाता। ये चुनौतियाँ ही हैं जो आदमी रूपी तलवार को धार देती हैं, उसे सशक्त, प्रतिभाशाली और प्रखर बनाती हैं।**

आज के समाज का दर्पण

यह ध्रुव सत्य है कि इस गतिशील जगत में निरंतर बदलाव ही स्थिर है। हमारी आँखो के सामने शनैः-शनैः यह बदलाव घटित होता रहता है। मनुष्य के पास बदलाव करने की शक्ति एवं बुद्धि है। चुनौती है इस बदलाव का हमारे जीवन में या जगत में उल्टा असर न हो। अक्सर यह देखा जाता है कि बदलाव को हमारे जीवन में हम सही ढंग से नहीं अपना पाते। हम यह याद नहीं रख पाते कि इस बदलते हुए जगत में कुछ बुनियादी बाते हैं, उन्हें बदलने में हमारी हानि ही हानि है। **मानवता के नैसर्गिक गुण, उनका स्वास्थ्य संबंधी आधार जो हमारे संस्कार एवं संस्कृति में समाये एवं संजोए हुए हैं, इन्हें बदलने के दूरगामी असर होते हैं। ये हमारी जड़े हैं। जड़ों के साथ छेड़-छाड़ करना हमारे लिये अहितकर ही सिद्ध होगा।**

समाज में आज हमारी वेष-भूषा, रहन-सहन, खान-पान, आचार-व्यवहार एवं सोच-विचार में परिवर्तन आया है। परिवार के मापदंड बदल रहे हैं। युगों-युगों से समाज में संयुक्त परिवार का चलन था। दादा, ताऊ, चाचा, दादी, ताई, चाची, माता-पिता सब एक सूत्र में बँधे एक परिवार में ही रहते थे। एक दूसरे से आपसी लगाव एवं प्रेम रहता था। अब इन रिश्तों की अहमियत हम खोते जा रहे हैं। हम दो - हमारे दो के अलावा माता-पिता को परिवार में स्थान मिला हुआ है। अधिकांश परिवारों में आवश्यकतानुसार उनका उपयोग किया जाता है। उनके भावनाओं एवं मानसिक स्वास्थ्य के विषय में जो अनुभूति पहले परिवार में रहा करती थी, वह प्रायः नदारद होती जा रही है। उनकी जरूरतों को तब तक ही तवज्जो दिया जाता है, जब तक किसी भी प्रकार से परिवार में उनकी उपयोगिता रहती है। अन्यथा वे एकाकी जीवन जीने को मजबूर रहते हैं। मानव सभ्यता की यह बड़ी त्रासदी है। इसी कारण देश में चारों तरफ वृद्धाश्रम खुल रहे है। जहाँ इन्हें हमउम्र लोगों का साथ मिल जाता है, जो उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यावश्यक है। हम दो हमारे दो के अलावा औकात के अनुसार दोस्तों, यारों की मंडली स्वतः ही बन जाती है। **हम सभी जानते हैं कि एक समय था जब दोस्ती या रिश्ते निभाने में मनुष्य सब कुछ करने को प्रस्तुत रहता था। बाद में रिश्तों एवं दोस्तों से मतलब साधने का दौर आया। अब तो हालात यह है कि मतलब साधने के लिये ही रिश्ते और दोस्त बनाये जाते हैं। अगर आप गरीब या तथाकथित असफल हैं तो आपके दोस्त नहीं बनेंगे। आपके रिश्तेदार भी आपसे कन्नी काटेंगे। सफलता या धन प्राप्त होने पर अपने आप रिश्तेदारों एवं दोस्तों का हुजूम जुड़ जाता है।**

सोशल मीडिया के युग मे दोस्तों की एक नई श्रेणी का ईजाद हुआ है। वह है फेसबुक फ्रेंड। देखने को पाँच हजार फ्रेंड बन जाते हैं। आपकी हैसियत है तो ट्विटर पर हजारों फोलोअर बन जायेंगे। वाट्सअप पर २४ घंटे संदेशों की भरमार रहती है। इन सब के मध्य भी व्यक्ति नितांत अकेला है। अपनी शेखी बधारने या अहंतुष्टि के लिये भिन्न-भिन्न सेल्फी एवं तस्वीरें चिपकाई जाती हैं। थोड़ी-थोड़ी देर के अंतराल में यह देखा जाता है कि कितने लाइक मिले हैं। कृत्रिम हँसी के साथ मनुष्य कृत्रिम जीवन अपनाने का पथ स्वयं के लिये चुनता जा रहा है। ऐसे व्यक्तियों का परिचय इन पक्तियों से प्राप्त होता है –

चेहरे पर फेसबुक की रौनक
दिल वाट्सअप हुआ जा रहा है,
ट्विटर और ईंस्टाग्राम से जुड़ कर
इंसान सोशल हुआ जा रहा है।

घर में महिलाओं के बीच देवरानी-जिठानी के रिश्तों की अदब एवं मिठास खत्म होती जा रही हैं। बुजुर्गों की घर में अनसुनी की जाती है। साधारणतः महिलाएँ अपने बच्चों एवं पति को ही अपने परिवार का अंग मानती हैं। देवरानी-जिठानी के संबंधों को निभाने की कोई आवश्यकता ही नहीं समझी जाती। प्रारम्भ से ही यह सीख मिली रहती है कि जिठानी-देवरानी में निभ नहीं सकती। किसी भी बात को लेकर तिक्तता पैदा हो जाय, तो उसे गाँठ बाँध कर महिलाएँ पल्लू मे लटका कर घूमती हैं। छोटी-छोटी बातें समय पाकर स्वतः ही विशाल रूप धारण कर लेती हैं। बोल-चाल बंद होने पर उन्हें बहुत बड़ी शांति मिलती है – चलो पिंड छूटा। इसका असर घर में भाईयों के रिश्तों पर सीधे-सीधे पड़ता है। चाहकर भी भाई-भाई आपस में प्रेम से नहीं रह सकते। कान भरने का यंत्र अनवरत चलायमान रहता है। महिलायें निरंतर पीहर से हाटलाइन पर व्यस्त रहती हैं। हालत यह है कि उन्हें पीहरवालों में कोई दोष नहीं दीखता एवं ससुरालवालों में कोई गुण। घर में अगर ननद अनब्याही है तो बेसब्री से उसके विवाह का इन्तजार रहता है।

जिस छोटे परिवार की हम बात कर रहे हैं, उसमें सब समय बच्चे एवं महिलायें पुरुषों की दूसरों के साथ तुलना

करते रहते हैं। पुरुष की कमाई एवं स्थिति के अनुसार परिवार में उसका मान रहता है। कमाई अगर आकर्षक नहीं है तो उसकी हालत दयनीय रहती है। बड़े होने पर बच्चे घर में मेहमान बन कर रहते हैं। सब समय उन्हें यही चिंता रहती है कि उनके दोस्तों मे उनकी हेठी न हो। इन बच्चों की भी विस्तृत एवं आधुनिक मित्रमंडली बन जाती है। इनमें अपनी-अपनी वेष-भूषा, गाड़ी एवं अन्य वस्तुओं द्वारा एक-दूसरे को प्रभावित करने की होड़ लगी रहती है। वे मोबाइल, लैपटॉप, टी.वी. में सारे दिन व्यस्त रहते हैं। युवावस्था से ही ये बच्चे चमक-दमक की जिंदगी बिताने के अभ्यस्त हो जाते हैं। स्वयं को वे सदैव 'कम्फोर्ट जोन' में रखना चाहते हैं। आये दिन दोस्तों के साथ घूमना-फिरना, पार्टी लगा रहता है। मजे की बात यह है कि आधुनिक अभिभावक परोक्ष रूप से अपने बच्चों की दिनचर्या पर गर्व महसूस करते हैं। उनका सोचना है कि उनकी मित्रमंडली ही उनके बच्चों के लिये सफलता का मार्ग प्रशस्त करेगी।

एक समय था जब घर को मंदिर की संज्ञा दी जाती थी। पूजाघर में दोनों वक्त भोग लगाकर ही प्रसाद पाया जाता था। छोटे से लेकर बड़ों तक सब पर यह लागू होता था। वर्तमान में बच्चों का घर में सोने-उठने, खाने-पीने, नहाने-धोने का समय पूर्ण रूप से अनिश्चित है। इस क्षेत्र में भी पूरी स्वतत्रंता है। सभी प्रकार के संस्कारों एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को ताक पर रख दिया जाता है। माता-पिता जो परिवार के अन्य सदस्यों के साथ स्वछंदता से पेश आते है, अपने बच्चों के सामने भीगी बिल्ली बने रहते हैं। ये बच्चे अपनी मित्रमंडली में रहते-रहते तरह-तरह के व्यसनों के आदी हो जाते हैं। विवाह की जो स्वास्थ्य की दृष्टि से आदर्श आयु होती है, उसको पार कर अपनी स्वच्छंदता में रमण करते रहते हैं। इस पहलू का समाज पर आने वाले समय में जो असर होगा, उसकी कल्पना दुखद हैं। **लड़की के माँ-बाप को अगर अपने पुत्री के संबंध खोजने का अवसर मिल पाता है तो ऐसे दामाद की खोज में रहते है जो मद्यपान नहीं करता। वह दिन दूर नहीं जब ऐसे लड़के चिराग लेकर खोजने से भी नही मिलेंगे।** इस व्यसन के व्यापक प्रभाव का अंदाजा एक दृष्टांत से लगाया जा सकता है।

एक बार कवि कालिदास बाजार में घूमने निकले। एक स्त्री घड़ा और कुछ कटोरियाँ लेकर ग्राहकों के इन्तजार में बैठी थी। कविराज ने पास जाकर पूछा – "बहन! तुम क्या बेचती हो?"

"मैं पाप बेचती हूँ, मैं स्वयं लोगों से कहती हूँ कि मेरे पास पाप है, मर्जी हो तो ले लो, अन्यथा कोई बात नहीं। फिर भी लोग मुझ से पाप खरीद लेते हैं।" कालिदास की उत्सुकता बढ़ गई और पूछा – "घड़े मे कोई पाप होता है?"

"जरूर होता है। **मेरे इस घड़े में आठ पाप भरे हुए हैं- – १. बुद्धिनाश, २. पागलपन, ३. सद्‌गुणों का नाश, ४. लगई-झगड़े, ५. सुखों का अंत, ६. नर्क में ले जाने वाले सब दुष्कृत्य, ७. बेहोशी, ८. विवेक का नाश।**"

"अरे बहन! आखिर है क्या तुम्हारे इस घड़े में, यह तो बताओ।"

वह स्त्री बोली – "**शराब! शराब!! शराब!!! यह शराब सब पापों की जननी है। मद्यपान करने वाले इनका शिकार बन जाते हैं।**

इस प्रकार हम समझ सकते हैं कि जाने-अनजाने हम जिस ओर अग्रसर हो रहे हैं, उसकी परिणति आखिरकार क्या होने वाली है। मद्यपान अब प्रगति एवं आधुनिकता का द्योतक होने के साथ-साथ 'स्टेटस सिंबल' भी बन गया है। मद्यपान नहीं करनेवालों को "पिछड़ा", एवं "दकियानूसी" करार दिया जाता है।

व्यापार के नाम पर अब लोग अपनी देनदारी के प्रति किसी भी प्रकार की प्रतिबद्धता नहीं रखते हैं। अधिकांश लोगों का एक हाथ दूसरों के पाकेट में है। ये व्यक्ति ही धार्मिक आयोजनों, शादी-विवाह के अवसरों पर अनाप-शनाप खर्चा एवं दिखावा, आये दिन भिन्न-भिन्न बहानों से पार्टियाँ आयोजित करने में अपनी शान समझते हैं। कीर्तन मंडली, निशान उठाना, सवारी निकालना, धार्मिक टूरिज्म अब फैशन बन चुके हैं। भागवत कथा, शिव पुराण एवं अन्य प्रकार के वृहद धार्मिक आयोजन के लिये अब अनेकानेक मंहत, कथावाचक, व्यासपीठेश्वर मंडली उपलब्ध हैं जो सीधे स्वर्ग की टिकट काटने की क्षमता का दावा करते हैं। अपने प्रवचन में तो ये कहते है कि माया पापिनी, इससे दूर रहो, परन्तु स्वयं ही अव बुरी तरह से पापाधीन हो गए हैं।

इन विषयों पर अलग-अलग विशद चर्चा की जा सकती है लेकिन यह चर्चा उनके साथ ही हो सकती है जो कि कबीर के शब्दों में – "जो घर फूँके आपणो चले हमारे साथ", में विश्वास रखते हैं।' हवा के रुख को हम मोड़ नहीं सकते। किन्तु हम अपने जीवन रूपी नौका के पाल के रुख को बदल सकते है ताकि हम अपनी मंजिल प्राप्त कर सकें। **इन हालातों से मुकाबला करने का जो एकमात्र उपाय दीख पड़ता है – वह है हमारे संस्कारों एवं संस्कृति की पुनर्स्थापना। इसमें भी प्रवचन से काम नही चलेगा। हमें उदाहरण बनना पड़ेगा। तभी जाकर बात बनेगी। इस दिशा में प्रयास की नितांत आवश्यकता है, मेरी समझ में इसे दोहराने की कोई आवश्यकता नहीं।**

शिव कुमार लोहिया

अध्यक्षीय

हमारा युवा वर्ग समाज का गौरव है

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

स्नेही-सुधी समाजबंधु,

हमें गर्व है अपने समाज के युवा वर्ग पर जिसने समाज की प्रतिष्ठा में उत्तरोत्तर वृद्धि की है। व्यवसाय, वाणिज्य, उद्यम, उद्योग, प्रशासनिक सेवा आदि हर क्षेत्र में युवा वर्ग ने समाज की सकारात्मक उपस्थिति दर्ज कराई है। नये-नये विचारों, विकल्पों, सुझावों के साथ वे अपने उद्यम में प्रवेश कर रहे हैं। चार्टर्ड एकाउंटेंट्स में अपने समाज का आधिपत्य सा है, बच्चियों की शिक्षा को प्रोत्साहन देने को आंदोलन के रूप में लेने वाली समाज की बेटी नन्दिनी अग्रवाल ने इस वर्ष सी.ए. की परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। कुछ विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त हस्तियों की सूची मैं आपलोगों के ध्यानार्थ यहाँ दे रहा हूँ।

नंदिनी अग्रवाल: सी.ए. परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर पहला स्थान।

मृदुल अग्रवाल: जे.ई.ई. एड्वांस्ड में अखिल भारतीय स्तर पर पहला स्थान।

अंकिता जैन: यू.पी.एस.सी. प्रतियोगिता में अखिल भारतीय स्तर पर तृतीय स्थान।

यश जालुका: यू.पी.एस.सी. प्रतियोगिता में अखिल भारतीय स्तर पर चतुर्थ स्थान।

रुचिका कन्दोई: मिसेज इंडिया इंटरनेशनल क्वीन – फर्स्ट रनर्स अप।

डॉ. हर्षा चौधरी: ओरल कैन्सर में पी.एच.डी.।

शीतल जैन: आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी एम.सी.आर. प्रेसिडेन्ट।

जागृति सिंगला: डायरेक्टर, नीति आयोग।

पराग अग्रवाल: सी.ई.ओ., ट्विटर।

प्रकाश हेतमसरिया: सिंगापुर के राष्ट्रपति द्वारा लोकसेवा पदक।

सृजन केडिया: गोल्ड मेडलिस्ट आई.आई.टी. खड़गपुर, पी.एच.डी. स्टानफोर्ड यूनिवर्सिटी, अब एसोसिएट प्रोफेसर आई.आई.टी. जार्जिया, फोर्ब्स इंडिया के 'थर्टी अंडर थर्टी' सूची में विजेता।

राखी जैन: नेशनल प्रेसिडेंट जे.सी.आई., जे.सी.आई. इंटरनेशनल की वाईस प्रेसिडेंट निर्वाचित।

शालिनी खेमका: 'कमांडर आफ द आर्डर आफ ब्रिटिश इम्पायर' से सम्मानित।

प्रशासनिक सेवा में भी आज बहुत से महत्वपूर्ण पदों पर समाज का युवा वर्ग समाज की गरिमा बढ़ा रहा है। पुलिस प्रशासन में जहाँ पहले अपनी उपस्थिति नगण्य रहती थी, आज वहाँ पर भी उपस्थिति अच्छी है।

सेना में भी राजपूत राइफल तथा जाट रेजिमेंट देश की सुरक्षा में जी–जान से लगा हुआ है। राजनीति में अभी भी हमारी उपस्थिति संतोषजनक नहीं है। इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। नये-नये स्टार्टअप आ रहे हैं, उसमें भी हमारी अच्छी–खासी भागीदारी है। समाज के लिए युवा वर्ग का यह सकारात्मक पहलू है।

हर समाज में अच्छाई के साथ साथ कुरीतियाँ भी हैं। अपना समाज भी उससे अछूता नहीं है। युवा वर्ग से मैं यह अपेक्षा रखता हूँ कि समाज में आ रही कुरीतियों के निवारण में सहयोग करें। युवा वर्ग इस कार्य को बेहतर ढंग से निपटा सकता है। कुछ कुरीतियों का में यहाँ उल्लेख करना चाहूँगा –

१. प्री-वेडिंग फोटो शूट।
२. सडकों पर नाचना, गाना तथा बैंड-बाजा वालों पर पैसे उछालना।
३. पाखंड एवं दिखावा।
४. सामाजिक समारोहों में ड्रेस कोड।
५. समारोह स्थल पर मद्यपान।
६. वैवाहिक जीवन में बढ़ती कटुता।
७. बुजुर्गों के प्रति घटता सम्मान।

इधर पिछले कुछ सालों से प्रचलन चल पड़ा है प्री-वेडिंग शूट का। शादी से पहले ही होनेवाले दूल्हा-दुलहन फोटग्राफर की टीम के साथ किसी अन्य स्थान पर जाकर विभिन्न प्रकार के पोजों में फोटो खिंचवाकर पूरी फिल्म बनाते हैं। इसमें आपसी सान्निध्य की ऐसी तस्वीरें भी रहती हैं जिन्हें आपत्तिजनक कहा जा सकता है। अपने बुजुर्गों के सामने कोई पति-पत्नी विवाह के बाद भी उस प्रकार नहीं दिख सकता। इस प्री-वेडिंग शूट की फिल्म को देखने हेतु सभी को आमंत्रित किया जाता है, जिसमें परिवार के बुजुर्ग एवं रिश्तेदार भी रहते हैं जो किसी भी दृष्टिकोण से शोभनीय नहीं लगता।

सड़कों पर नाचना, गाना एवं बैंड-बाजा वालों पर पैसे उछालना किसी भी सभ्य समाज को शोभा नहीं देता। मर्द और औरतें सब नाचते हैं, मार्ग भी अवरुद्ध हो जाता है, जो कि एक सुशिक्षित नागरिक की हैसियत से स्वीकार्य नहीं है। विवाहस्थल पर जाकर नाचे-गायें, वह ज्यादा उचित है। सामाजिक शुचिता का पालन करना चाहिए।

पाखंड और दिखावा आज नया नहीं है। वर्षों से होता आ रहा है। समाज में अपनी प्रतिष्ठा हेतु हम अपनी औकात से अधिक खर्च करने में कोई परहेज नहीं करते, इसके लिए सिर पर ऋण भी चढ़ जाता है। आजकल इस दिखावे-पाखंड का कोई मापदंड नहीं रहा है। आजकल के विवाहों में होने वाले खर्च का अधिकांश हिस्सा इस दिखावे की भेंट चढ़ जाता है और कोई भी

पक्ष लाभान्वित नहीं होता। एक-एक बात को यहाँ गिनाने की आवश्यकता नहीं है, आप सभी इस दिखावे से वाकिफ हैं। हर सामान की नये-नये तरीके से पैकिंग पर भी बहुत खर्च आता है। बाद में वह पैकिंग का सामान कूड़े की भेंट चढ़ता है।

समारोह में ड्रेस कोड का आजकल नया प्रचलन चला है। ज्यादातर ऐसे समारोह अपने रहने से परे अन्य स्थान पर आयोजित होते हैं। समारोह के हर कार्यक्रम में ड्रेस कोड यानी समारोह में शामिल होने वाले सभी लोग एक ही प्रकार तथा एक ही रंग की ड्रेस पहनेंगे जैसे कोई बैंड पार्टी या होटल के बैरे हों। नई-नई ड्रेस सिलवाने-बनवाने का मतलब हजारों रुपयों का खर्च सिर पर आ जाना है। कुछ रिश्तेदार चाहकर भी उस कार्यक्रम से अपने को दूर रखना चाहेंगे - कोई भी बहाना बनाकर। हमारा संस्कार है सादा रहन-सहन का - पर यथार्थ में ऐसा कुछ नहीं रहा, सब चला गया। यदि किसी की उपस्थिति के बजाय उसका पहनावा आपको ज्यादा प्रिय है - पहनावा नहीं तो उपस्थिति नहीं – तो यह किसी को शर्मिदा एवं अपमानित करने की बात है। मेरा यह विचार है कि हमें इन नई कुरीतियों से बचना चाहिए।

सामाजिक समारोहों में धार्मिक संस्कारों के बीच मद्यपान होना धर्मविरुद्ध एवं अमर्यादित कार्य है। एक तो मद्यपान अपने आप में बुरा है फिर धार्मिक संस्कारों के पुनीत–पावन अवसरों पर मद्यपान का आयोजन अशोभनीय है। यह बड़प्पन की बात नहीं है अपितु संस्कारविहीनता की बात है। हमें अपने सनातन धर्म की छत्रछाया में रहना है। इससे विलग होंगे तो हमारा अस्तित्व खतरे में पड़ जायेगा।

देखा-देखी हर कोई अपने कार्यक्रम में नयापन लाने का प्रयत्न करता है। इन सब में पैसे की बहुत बर्बादी होती है। जिसके पास अथाह साधन है उसके लिए कोई हर्ज नहीं परन्तु कम साधनसंपन्न व्यक्ति इन सबसे बहुत प्रभावित होता है और आर्थिक रूप से टूट जाता है। परन्तु समाज में अपनी साख बनाये रखने के लिए लाचारीवश वह ऐसा करता है। मेरी तो बराबर यह मान्यता रही है कि हमें अपने सामर्थ्य के अनुरूप अपने समारोहों में खर्च करना चाहिये।

वैवाहिक सम्बन्धों में कटुता एवं परिवार में बुजुर्गों के प्रति घटता सम्मान हम सबके लिए चिन्ता एवं चिंतन का विषय है। सम्मेलन बराबर अपनी तरफ से प्रयास कर रहा है। सम्मेलन अपनी बात अपनी तरफ से अपील के माध्यम से, गोष्ठियों द्वारा या सभाओं द्वारा ही रख सकता है। मैं युवा साथियों से भी अपील करता हूँ कि समाज की इन कुरीतियों के निराकरण में अपना बहुमूल्य सहयोग दें। युवावर्ग अगर मन बना लेता है तो सारी समस्याएँ सुलझ जाएँगी। इन कुरीतियों का सामना करने में अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच की महती भूमिका है। युवा वर्ग एवं महिला शक्ति के सहयोग से ही हम सकारात्मक परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। हमारा युवा वर्ग एवं मातृशक्ति हमारा गौरव है, सभी के सामूहिक प्रयास से ही हम समाज सुधार के कार्यक्रम को अपेक्षित गति दे पाएँगे।

आप सभी को शक्ति के प्रतीक नवरात्र पर्व एवं असत्य पर सत्य के विजय का प्रतीक विजयदशमी पर्व की बहुत-बहुत बधाई।

जय समाज, जय युवाशक्ति, जय मातृशक्ति, जय हिन्द!

समाचार सार

१६ अक्टूबर २०२१ : छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया के सभापतित्व में छत्तीसगढ़ सम्मेलन की एक बैठक प्रादेशिक महामंत्री श्री अमर बंसल के निवासस्थान पर आयोजित की गई। बैठक में श्री नारायण भुसानिया सर्वसम्मति से चुनाव अधिकारी के रूप में चुने गए।

सोच भले नई हो, संस्कार पुराने ही रखें : गोवर्धन गाड़ोदिया

"बदलते समय के साथ परिवर्तन अवश्यम्भावी है। बदलती परिस्थितियों में समय की आवश्यकताओं के अनुसार भले आपको अपनी सोच नई करनी पड़े, अपने संस्कार पुराने ही रखें – अपनी सभ्यता-संस्कृति और गौरवमयी परम्पराओं के अनुरूप।" ये उद्‌गार अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने गत १७ अक्टूबर २०२१ को वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी ने जिन्दगी के हर पहलू पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है, फिर भी हमें अपना दृष्टिकोण सकारात्मक बनाये रखना चाहिए और कोरोना से जीतने की हर कोशिश करनी चाहिए। श्री गाड़ोदिया ने कहा कि **हर कोशिश को भले सफलता न मिले लेकिन हर सफलता का कारण कोशिश ही होती है।**

सभा में सर्वप्रथम श्री गाड़ोदिया ने सबका स्वागत किया, विजयदशमी की शुभकामनायें और लक्ष्मी पूजा, काली पूजा, दीपावली तथा छठ की अग्रिम बधाइयाँ दी। सम्मेलन के हालिया कार्यकलापों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष २०२०-२१ में **विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, झारखंड एवं कर्नाटक प्रादेशिक शाखाओं ने सदस्यता-विस्तार के क्षेत्र में अच्छे परिणाम प्राप्त किए हैं।** पश्चिम बंग, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, उत्कल, पूर्वोत्तर एवं बिहार में भी प्रगति हुई है।

श्री गाड़ोदिया ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हाल के वर्षों में उद्योग-व्यापार की अपनी परम्परागत परिधि से बाहर निकल अपने समाज के युवक-युवतियों ने विभिन्न क्षेत्रों में सफलता का परचम लहराया है और अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। सी.ए. फाईनल की परीक्षा में प्रथम **सुश्री नंदिनी अग्रवाल** एवं जे.ई.ई. इंट्रेस एक्जाम में प्रथम **श्री मृदुल अग्रवाल** का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यू.पी.एस.सी. परीक्षा में भी समाज के सफल प्रतिभागियों का प्रतिशत बढ़ा है। श्री गाड़ोदिया ने इन परिणामों को अत्यंत उत्साहवर्धक बताया।

सभा को सम्बोधित करते हुए सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि गत वर्षों में सम्मेलन की गतिविधियों में सक्रियता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि केन्द्र और प्रांत स्तर पर सम्मेलन के साथ मारवाड़ी युवा मंच से आए हुए लोग जुड़े हैं और विभिन्न स्तर पर नेतृत्व भी दे रहे हैं, यह अत्यंत हर्ष का विषय है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन से भी पूर्ण समन्वय रखने और कदम से कदम मिलाकर चलने का हर सम्भव प्रयास होना चाहिए। श्री शर्मा ने कहा कि पिछले वर्षों में सम्मेलन के बैनर तले वैवाहिक परिचय सम्मेलनों और सामूहिक विवाहों के आयोजन में कमी आई है, इस पर भी ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के इतिहास-लेखन का कार्य लंबित पड़ा है जिसे पूरा करने की जरूरत है।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रूँगटा** ने अपने सम्बोधन में संगठन, समाज सुधार और सेवा को सम्मेलन की गतिविधियों का मूल बताया। सम्मेलन के रोजगार सहायता कार्यक्रम और उसके चैयरमैन श्री दिनेश जैन की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति को रोजगार देने का अर्थ एक परिवार को स्वावलम्बी बनाना है और आज के युग में यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। संगठन विस्तार के विषय में चर्चा करते हुए श्री रूँगटा ने कहा कि पिछले दो-तीन सत्रों में सम्मेलन की सदस्यता में बहुत अच्छी वृद्धि हुई है, यह बहुत खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि सदस्यता-विस्तार के साथ-साथ सदस्यों की सक्रियता भी बहुत जरूरी है क्योंकि इसी से हमारे भावी नेतृत्व की नींव पड़ती है।

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने वर्तमान परिस्थितियों में कोरोना-राहत सेवाकार्यों को महत्वपूर्ण बताया और सभी से स्वयं टीका लगवाने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का अनुरोध किया। उन्होंने सलाह दी कि समाज के विवाहयोग्य युवक-युवतियों का विवरण देती एक वेबसाईट की स्थापना करनी चाहिए जिससे अभिभावकों को विवाह हेतु पात्रों/

केन्द्रीय कार्यालय सभागार से बैठक में भाग लेते (बायें से) राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्रीद्वय श्री गोपाल अग्रवाल एवं श्री सुदेश अग्रवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भानीराम सुरेका, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोन्थलिया, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर विदावतका तथा सूचना तकनीक एवं वेबसाईट उपसमिति के चेयरमैन श्री कैलाशपति तोदी।

पात्राओं के चयन में सुविधा हो।

सम्मेलन की वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया** ने सम्मेलन के वित्तीय वर्ष २०२०-२१ के आय-व्यय का लेखा–जोखा एवं संतुलन पत्र प्रस्तुत किया और इसके महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। वित्तीय प्रबंधन में विशेष सहयोग हेतु उन्होंने कोषाध्यक्ष **श्री दामोदर बिदावतका** एवं पूर्व कोषाध्यक्षों **श्री कैलाशपति तोदी** तथा **श्री गोपाल अग्रवाल** का आभार व्यक्त किया। विचार-विमर्श के बाद लेखा-जोखा सर्वसम्मति से पारित हुआ। श्री सोन्थलिया ने बताया कि टी.डी.एस. रिफंड की लम्बित पड़ी एक बड़ी राशि पूर्व कोषाध्यक्ष एवं वर्तमान राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री गोपाल अग्रवाल के प्रयासों से वापस मिली है। सभा ने करतल ध्वनि से श्री अग्रवाल का धन्यवाद ज्ञापित किया।

राष्ट्रीय महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने वित्तीय वर्ष २०२०-२१ में सम्मेलन के मुख्य कार्यकलापों का विवरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस अवधि में सम्मेलन ने अपनी ऊर्जा और संसाधनों को मुख्यतः कोरोना-राहत सेवाकार्यों पर केन्द्रित किया। उन्होंने पिछली वार्षिक साधारण सभा (११ नवम्बर २०२०; वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से) का कार्यवृत भी प्रस्तुत किया जो सर्वसम्मति से पारित हुआ।

सभा में सर्वसम्मति से सम्मेलन की अगली वार्षिक साधारण सभा तक के लिए सी.ए. **श्री पी.के. लिल्हा** को सम्मेलन का लेखा परीक्षक नियुक्त किया गया।

सम्मेलन की प्रादेशिक शाखाओं के अध्यक्षों **सर्वश्री ओमप्रकाश अग्रवाल** (झारखंड), **महेश जालान** (बिहार), **पुरुषोत्तम सिंघानिया** (छत्तीसगढ़), **गोविन्द अग्रवाल** (ओडिशा), **नंद किशोर अग्रवाल** (पश्चिम बंग), **डॉ. सुभाष अग्रवाल** (कर्नाटक), **लक्ष्मीपत भूतोड़िया** (दिल्ली), ने अपने-अपने राज्यों की प्रमुख गतिविधियों एवं सेवाकार्यों पर रपट प्रस्तुत की।

वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया** ने कहा कि जिन युवक-युवतियों को सम्मेलन के उच्च शिक्षा कोष से सहायता दी गई है, उन्हें सम्मेलन के साथ जोड़ने एवं उनसे इस कोष में सहयोग का अनुरोध करना चाहिए। सूचना-तकनीक एवं वेबसाईट उपसमिति के चेयरमैन **श्री कैलाशपति तोदी** ने सम्मेलन की वेबसाईट की प्रगति के विषय में बताया और उपस्थितों से अनुरोध किया कि इसका प्रयोग करें तथा इसकी कमियों या प्रयोग में कठिनाइयों पर ध्यान आकृष्ट करें। **श्री दिनेश जैन** ने ई-मेम्बरशिप के विषय में विचार करने का अनुरोध करते हुए कहा कि इससे पूरे विश्व में कहीं से भी इच्छुक व्यक्ति सम्मेलन से जुड़ सकते हैं। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री भानीराम सुरेका**, संयुक्त महामंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल**, **सर्वश्री कमल नोपानी**, **रमेशचंद्र बंग**, **निर्मल काबरा** आदि ने भी अपने संक्षिप्त विचार रखे। संयुक्त महामंत्री **श्री सुदेश अग्रवाल** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया।

वार्षिक साधारण सभा में सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण सर्वश्री पवन गोयनका, पवन सुरेका, अशोक जालान एवं विजय कुमार लोहिया, संगठन मंत्री श्री बसन्त कुमार मित्तल, कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, सर्वश्री शिव कुमार लोहिया, राजकुमार केडिया, डॉ. ओम प्रकाश प्रणव, रतन लाल बंका, डॉ. सावर धनानिया, अरुण सुरेका, गोपी धुवालिया, अरुण अग्रवाल, ओमप्रकाश पोद्दार, रामपाल अट्टल, पवन शर्मा, बाबूलाल अग्रवाल, कमल केडिया, चंडीप्रसाद डालमिया, रवि शर्मा, अरुण प्रकाश मल्लावत, विनोद जैन, अनिल अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, उमेश शाह, योगेन्द्र कुमार तुलस्यान, नंदकिशोर पाटोदिया, बजरंग लाल अग्रवाल, राजेन्द्र मेहरिया, सांवरमल शर्मा, संजय सर्राफ, भगवती प्रसाद भुवालका, संजय शर्मा, सुरेश चौधरी, निरंजन अग्रवाल, मुरारिलाल खेतान, राम अवतार अग्रवाल, कौशल राजगढ़िया, अशोक मोदी, प्रमोद चौधरी, दीपेश निराला, रंजीत डालमिया, हरिकृष्ण अग्रवाल, प्रदीप जैन, प्रेम कुमार अग्रवाल, सांवरमल अग्रवाल, प्रमोद बाजला, दीपक पारीक, मुकेश कुमार जालान, ओम प्रकाश अग्रवाल, राजीव कुमार अग्रवाल, पवन पोद्दार, शशिकांत सिंघला, मुकेश कुमार जैन, श्रीमती पुष्पा भुवालका सहित पूरे देश से सम्मेलन के पदाधिकारी–सदस्यगण अच्छी संख्या में उपस्थित थे।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : अक्तूबर २०२१ की गतिविधियाँ

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा अक्तूबर माह में **अग्रकुल–प्रवर्तक महाराजा अग्रसेन जी की जयंती** मनाई गई। इस अवसर पर सम्मेलन भवन, पटना में हवन-पूजन और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। उपस्थित सदस्यों ने अग्रसेन जी के चित्र पर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात महाराजा अग्रसेन जी के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर वार्ता आयोजित की गई।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस एवं नवरात्रि के शुभ अवसर पर महावारी के समय गंदा कपड़ा इस्तेमाल करने से होने वाली गंभीर बीमारियों से छात्राओं को बचाने के लिए "**स्वच्छ बेटियाँ : स्वस्थ समाज**" कार्यक्रम की घोषणा की गई।

माह के अंत में प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री महेश जालान** की उत्तराखंड यात्रा के क्रम में उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने सम्मान समारोह और कार्यकारिणी समिति के साथ बैठक का आयोजन किया। उपस्थित सदस्यों के साथ परस्पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री संतोष खेतान** एवं उनकी टीम को बिहार प्रान्त में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों और

गतिविधियों की जानकारी दी गई और उत्तराखंड में सम्मेलन के विस्तार पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। इस आयोजन के समन्वय में उत्तराखंड के संस्थापक प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री रंजीत जालान** की अग्रणी भूमिका रही।

Krishi Rasayan Group

29, Lala Lajpat Rai Sarani (Elgin Road),
Kolkata - 700020, West-Bengal, India
www.krishirasayan.com
E-mail: atul@krishirasayan.com
Telephone: +91-33-71081010/11

With more than 50 years of experience in the agro-chemical business and being one of the oldest and leading agrochemical companies of India, **Krishi Rasayan** is touching new heights with each passing day.

The continuous process of upgradation, development and inherent changes according to the market requirements have helped **Krishi Rasayan** become a leader in the domestic circuit. **Krishi Rasayan** is expanding word-wide with exports and overseas registrations focusing on South-East Asia, Africa, Middle-East, CIS and Latin America.

Krishi Rasayan has 8 multi-location manufacturing plants in different parts of India and has 5 overseas subsidiaries.

It also boasts of having contract technical manufacturing units in India manufacturing Pretilachlor, Ethephon, Cypermethrin, Profenofos, Imidacloprid, Thiamethoxam, Metalaxyl, Metribuzin, Acetamiprid, Glyphosate, Tricyclazole, Butachlor, Emamectin benzoate, Difenconazole and Chlorpyriphos.

Additional technical products to be added are under process. The company has technical tie-ups and contract manufacturing with various companies in China and also has an office in Shanghai, China.

The company has many products including formulations such as EC, SC, WDG, SP, GR, EW and CS

Krishi Rasayan specializes in many combination products & bio-products. GLP data are available for most of the products; both 5-batch and 6-pack study.

Insecticides:
Deltamethrin 1% + Triazofos 35% EC, Profenofos 40% + Cypermethrin 4% EC, Ethion 40% + Cypermethrin 4% EC, Chlorpyriphos 50% + Cypermethrin 5% EC, Acephate 25% + Fenvalerate 3% EC, Buprofezin 15% + Acephate 35% WP, Profenofos 20% + Cypermethrin 2% EC, Deltamethrin 2.5% + Permethrin 2.5% EC, and many other forumlations available.

Fungicides:
Metalaxyl 8% + Mancozeb 64% WP, Carboxin 37.5% + Thiram 37.5% DS, Carbendazim 12% + Mancozeb 63% WP, Streptomycin sulphate + Tetracycline hydrochloride (90:10), Iprodione 25% + Carbendazim 25% WP, Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% WP, etc

Weedicides:
Metsulfuron methyl 10% + Chlorimuron ethyl 10% WP & other formulations available.

PGR's:
6BA, Amino Acids, Ethephon, Gibberallic Acid, Hydrogen Cynamide, Tricontanol

Bio-Products:
Bacillus thuringiensis var kurstaki 7.5% WP, Trichoderma harzianum 2% WP, Trichoderma viride 1% WP, Pseudomonas fluorescens 0.5% WP, Neem Oil, Azadirachtin, Beauveria bassiana 1.15% WP, Verticillium lecani 1.15% WP and other formulations available.

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully Anmol™

celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

PHONEX ROADWINGS

STEVEDOR & SHORE HANDLING AGENT

Our Services

- Port Stevedoring & Cargo Handling of Both Bulk Break bulk cargo
- Shipping / Steamer Handling Agent
- Road Transportation
- In bound & Out bound Logistics
- Container Freight Services

A-1/46/1, New Paharpur Road,
Rabindranagar, Kolkata – 700 066
E-mail : phonex.roadwings@gmail.com
roadwingsinternational@gmail.com

PIC - Nikunj Gourisaria , Mob. 9833933729, E-mail : nikunj.gourisaria@gmail.com

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन : अक्तूबर २०२१ की गतिविधियाँ

गत ०२ अक्तूबर २०२१ को, गांधी जयन्ती एवं अहिंसा दिवस के उपलक्ष्य में, उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री गोविन्द अग्रवाल**, उपाध्यक्ष **श्री दिनेश कुमार अग्रवाल**, महामंत्री **श्री जयदयाल अग्रवाल**, पूर्व प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल** और बरगढ़ शाखाध्यक्ष **श्री किशोर कुमार अग्रवाल** ने बरगढ़ शाखा के सदस्यों के साथ बरगढ़ गवर्नमेंट अस्पताल का दौरा किया और वहाँ रोगियों, उनके परिचारकों एवं स्टॉफ के सदस्यों के बीच फलों का वितरण किया।

इसी दिन प्रादेशिक अध्यक्ष श्री गोविन्द अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार अग्रवाल एवं महामंत्री श्री जयदयाल अग्रवाल ने बरगढ़ शाखा के सदस्यों के साथ बैठक की और उसके बाद केसिंगा शाखा के आतिथ्य में ०३ अक्तूबर २०२१ को आयोजित प्रांत-स्तरीय बैठक के लिए प्रस्थान किया। मार्ग में इन्होंने बराईपाली, डुंगरीपाली, लौसिंधा, बलांगीर और सिंधेकेला शाखाओं के साथ बैठक की।

०३ अक्तूबर २०२१ को केसिंगा में प्रांत-स्तरीय बैठक आयोजित हुई जिसमें उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की **३३ शाखाओं से ३६१ प्रतिनिधियों** ने भाग लिया। बैठक में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री बसंत कुमार मित्तल** ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया; प्रादेशिक सम्मेलन द्वारा उनका विधिवत सम्मान किया गया। उत्कल सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष **श्री नकुल अग्रवाल** की भी विशेष उपस्थिति थी।

प्रांत-स्तरीय बैठक के उल्लेखनीय बिंदु हैं:

उत्कल सम्मेलन के कालाहांडी जोन का वेबसाईट लांच किया गया।

उत्कल सम्मेलन के इतिहास में पहली बार **केसिंगा शाखा के अध्यक्ष श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल को सर्वश्रेष्ठ शाखाध्यक्ष एवं कालाहांडी (भवानीपटना) जोन के उपाध्यक्ष श्री सुभाष चन्द्र अग्रवाल को सर्वश्रेष्ठ जोनल उपाध्यक्ष घोषित किया गया।**

कोरोना महामारी से उत्पन्न स्थिति के आलोक में, १५ अगस्त २०१९ के बाद निर्वाचित शाखाध्यक्षों का कार्यकाल ३१ दिसम्बर २०२२ तक बढ़ा दिया गया।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने अपनी भवानीपटना शाखा को एक शववाहिनी प्रदान की।

झारखंड सम्मेलन के प्रांतीय समिति की बैठक

गत २१ अक्टूबर २०२१ को **झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रान्तीय समिति की बैठक राँची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में** स्थानीय महाराजा अग्रसेन भवन में आयोजित की गई। प्रादेशिक अध्यक्ष **श्री ओमप्रकाश अग्रवाल** ने साथी पदाधिकारियों के साथ दीप प्रज्वलित कर बैठक का शुभारम्भ किया। जमशेदपुर से पधारे **श्री महावीर अग्रवाल** ने गणेश वंदना प्रस्तुत की।

बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रान्तीय अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि प्रान्त के सभी जिलों में इस कोरोना काल में नर सेवा नारायण सेवा को चरितार्थ करते हुए जरूरतमन्दों की सेवा की गई है। इस पुनीत कार्य में सहयोग करनेवाले सभी समाजबंधुओं का आभार प्रकट करता हूँ। हमें अपने कार्यक्रमों को और गति देने की जरूरत है। प्रान्तीय सम्मेलन ने उच्च शिक्षा हेतु समाज के बच्चों का यथासम्भव सहयोग किया है और मेरा मानना है कि समाज का कोई भी मेधावी बच्चा अर्थ के अभाव में उच्च शिक्षा से वंचित न रह जाय, ऐसा हमें प्रयास करना चाहिए। यह ही संगठन की ताकत है।

इसके पूर्व राँची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल** ने प्रान्तीय समिति के उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। जिला सम्मेलन के पदाधिकारियों ने प्रांतीय पदाधिकारियों – अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष श्री निर्मल काबरा, उपाध्यक्षगण श्री अशोक भालोटिया, श्री कमल केडिया, श्री विनोद जैन, श्री उमेश शाह, महामंत्री श्री पवन शर्मा, पूर्व प्रान्तीय अध्यक्षगण श्री भागचंद पोद्दार एवं श्री राजकुमार केडिया का अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर विधिवत सम्मान किया। सम्मान समारोह का संचालन जिला महामंत्री **श्री ललित पोद्दार** ने किया।

बैठक में प्रांतीय महामंत्री **श्री पवन शर्मा** ने प्रान्तीय समिति की पिछली बैठक के कार्यवृत का वाचन किया और उसकी पुष्टि की गई। अपने प्रतिवेदन में उन्होंने सत्र के दौरान सभी जिलों द्वारा किये गए कार्यो का उल्लेख किया। श्री शर्मा ने कहा कि यह हमारे लिये गर्व का विषय है कि **झारखंड प्रान्त ने अभी तक वर्तमान सत्र में १४ विशिष्ट संरक्षक, ३ संरक्षक एवं ६०० आजीवन सदस्य बना कर सम्मेलन के संगठन-विस्तार में अग्रणी योगदान किया है।** हमारा लक्ष्य ५००० सदस्यों का है, जिसे हम जल्द ही पूरा कर लेंगे।

कार्यसूची के अनुसार, संविधान संशोधन समिति के अध्यक्ष **श्री ललित पोद्दार** ने संशोधित संविधान का प्रारूप प्रान्तीय समिति के समक्ष रखा। संशोधन के मुख्य बिंदु थे – सभी सदस्यों को मताधिकार का अधिकार मिलने से प्रान्तीय समिति को आम सभा कहा जायेगा; प्रान्तीय अध्यक्ष के चुनाव के समय जिस जिले में १५० सदस्य होंगे, उस जिले के आग्रह पर वहाँ मतदान करवाया जा सकेगा। ये संशोधन सर्वसम्मति से पारित हुए।

प्रान्तीय समिति ने जमशेदपुर के **श्री विवेक चौधरी** को अंकेक्षक के पद पर नियुक्त किया। प्रान्तीय उपाध्यक्ष **श्री उमेश शाह** ने धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए कुशल आतिथ्य हेतु राँची जिला मारवाड़ी सम्मेलन एवं सभागार उपलब्ध कराने हेतु अग्रवाल सभा का आभार ज्ञापित किया।

समाचार सार

मारवाड़ी समाज सेवा का प्रतीक है : लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला

गत २९ अक्तूबर २०२१ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के एक शिष्टमण्डल ने लोकसभाध्यक्ष श्री ओम बिरला से भेंट कर दीपावली की शुभकामनायें दी। श्री बिरला ने कहा कि मारवाड़ी समाज सेवा का प्रतीक है और इसके लिए समाज के सभी घटकों को मिलकर काम करना चाहिए। शिष्टमण्डल में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन गोयनका, दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, मध्य दिल्ली शाखाध्यक्ष श्री सज्जन शर्मा, सर्वश्री कमल खटेड़, राजेश बोथरा, पवन शर्मा, सुरेश गुप्ता एवं श्रीमती सुमन नाहटा आदि शामिल थे। विचार-विमर्श के दौरान दिल्ली में सम्मेलन के स्थायी कार्यालय, गुवाहाटी-बाड़मेर ट्रेन को सप्ताह में दो दिनों की जगह प्रतिदिन करवाने एवं अन्य समाजकल्याण के विषयों पर विस्तृत बातचीत हुई। श्री बिरला ने सभी विषयों पर सहयोग का आश्वासन दिया।

कविता

पल पल बीता जाय

– रतन लाल बंका
राँची (झारखण्ड)

समय तेरा, पल पल बीता जाय
रे मुसाफिर, पल पल बीता जाय

बड़ी याचना की तब मानव तन यह पाया
आवागमन मिटाने का वचन नहीं निभाया
क्या क्या नहीं किया तूने पर नहीं अघाया
भावी का मुसाफिर क्यों डर नहीं सताया
समय समीप, चुप चुप आता जाय
रे मुसाफिर, पल पल बीता जाय

मुसाफिर है फिर भी इच्छाएं रखी हजार
तेरा मेरा करत करत छोड़ेगा संसार
भक्ति का किया दिखावा मन में अहम अपार
तूने ठगा या ठगा गया जीवन अपना हार
तेरा सपना, तिल तिल मरता जाय
रे मुसाफिर, पल पल बीता जाय

नियत कर्म की गठरिया टांग दी खूंटी पर
लगा रहा मोह माया व काम की पुष्टि पर
कर्मों के फल से तू कभी नहीं बच पायेगा
यम से मिलने पर तू क्या कुछ कह पायेगा
अब भी समय, मन जप करता जाय
रे मुसाफिर, पल पल बीता जाय

शरणागत होजा अब तो वही है इक रास्ता
मोह माया से तू कब तक रखेगा वास्ता
मानव जीवन पाने को सुर भी तरसते हैं
मानव जीवन है केवल मुक्ति का रास्ता
गठरिया में, सत सत भरता जाय
समय तेरा, पल पल बीता जाय
रे मुसाफिर, पल पल बीता जाय

समाचार सार

१९अक्तूबर २०२१: पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप शाखा ने आठगांव चाभिपुल प्राथमिक विद्यालय का जीर्णोद्धार कराया और उसके बाद एक संक्षिप्त कार्यक्रम का आयोजन कर प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश खंडेलवाल के हाथों विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री हरिधन कटकी को विद्यालय परिसर की चाबियाँ सुपुर्द करायी। श्री खण्डेलवाल ने शाखा के इस सत्कृत्य की प्रशंसा करते हुए उनसे इस विद्यालय को प्राथमिक से माध्यमिक कराने की सम्भावनाओं पर विचार करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम में संगठन मंत्री श्रीकृष्ण कुमार जालान, मंडलीय उपाध्यक्षा श्रीमती कंचन केजड़ीवाल, गुवाहाटी शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष श्री प्रदीप भुवालका, गुवाहाटी महिला शाखा की उपाध्यक्षा श्रीमती सरोज जालान की गरिमामयी उपस्थिति रही।

उल्लेखनीय है कि कामरूप शाखा ने इस विद्यालय को २०१७ से गोद ले रखा है और हर वर्ष स्वाधीनता दिवस और गणतंत्र दिवस समारोह विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ मनाती है।

सत्यमेव जयते

Certificate
of Appreciation

To,

Shri/Smti Marwari Sammelan Kamrup Branch

Kamrup Metropolitan District Administration hereby acknowledges and appreciates the wonderful yeoman services provided by you in the mitigation and control in the fight against the Covid-19 Pandemic in the Greater Guwahati Area. Your unrelenting service has made this district safer and has acted as the backbone in our continuing fightback against this global pandemic. Your selfless act has also acted as harbinger of hope in these torrid times.

Here's wishing you good health and luck in days to come.

Guwahati
Dated 15/08/2021

Deputy Commissioner
Kamrup Metropolitan District
Guwahati

कोरोना महामारी के दौरान उत्कृष्ट सामाजिक सेवाओं हेतु पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप शाखा को कामरूप मेट्रोपोलिटन डिस्ट्रिक्ट, गुवाहाटी के डिप्टी कमिश्नर द्वारा 'सर्टिफिकेट ऑफ अप्रीशीएशन' (प्रशंसा प्रमाणपत्र) प्रदान किया गया।

देव-स्तुति

[गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

विदिक्षु दिक्षुर्ध्वमधः समन्ता– दन्तर्बहिर्भगवान्नारसिंहः।
प्रहापयँल्लोकभयं स्वनेन स्वतेजसा ग्रस्तसमस्ततेजाः।।

प्रह्लाद महाराज ने भगवान् नृसिंहदेव के पवित्र नाम का उच्चस्वर से उच्चारण किया। अपने भक्त प्रह्लाद महाराज के लिए गर्जना करने वाले श्रीनृसिंहदेव, आप उन संकटों के भय से हमारी रक्षा करें जो विष, आयुध, जल, अग्नि, वायु इत्यादि के द्वारा सभी दिशाओं में महा-भटों के द्वारा फैलाया जा चुका है। हे भगवान्! आप अपने दिव्य प्रभाव से इनके प्रभाव को आच्छादित कर लें। नृसिंहदेव सभी दिशि-दिशाओं में, ऊपर-नीचे, बाहर-भीतर हमारी रक्षा करें।

यस्योरुशृङ्गे जगतीं स्वनावं मनुर्यथाबध्य ततार दुर्गम्।
स एव नस्त्वाष्ट्रभयाद्दुरन्तात् त्राताश्रितान्वारिचरोऽपि नूनम्।।

राजा सत्यव्रत नामक मनु ने पूर्व ब्रह्मांड रूपी छोटी नौका को मत्स्य अवतार के सींग में बाँधकर आत्मरक्षा की थी। मत्स्यावतार के कृपा से मनु ने बाढ़ के महान् संकट से अपने को बचाया था। वे ही मत्स्यावतार त्वष्टा के पुत्र से उत्पन्न इस गम्भीर संकट से हमारी रक्षा करें।

पुरा स्वयम्भूरपि संयमाम्भ–स्युदीर्णवातोर्मिरवैः कराले।
एकोऽरविन्दात्पतितस्ततार तस्माद्भयाद्येन स नोऽस्तु पारः।।

सृष्टि के प्रारम्भ में प्रचण्ड वायु से बाढ़ के जल में भयंकर लहरें उठने लगीं। इन लहरों से ऐसा भयानक शोर हुआ कि ब्रह्माजी अपने कमल-आसन से प्रलय जल में प्रायः गिर ही पड़े, किन्तु वे भगवान् की सहायता से बच गये। उसी तरह हम भी भगवान् से इस भयावह स्थिति से अपनी रक्षा की आशा करते हैं।

श्रीदेवा ऊचुः

नमस्ते यज्ञवीर्याय वयसे उत ते नमः।
नमस्ते ह्यस्तचक्राय नमः सुपुरुहूतये।।

हे भगवान्! आप यज्ञ फल को देने में सक्षम हैं। आप ही वह काल हैं, जो इन समस्त यज्ञों के फलों को अंतराल में नष्ट कर देता है। आप असुरों का वध करने के लिए चक्र को चलाते हैं। हे अनेक दिव्य नामधारण करनेवाले भगवान्। हम लोग आपको सादर नमस्कार करते हैं।

यत्ते गतीनां तिसृणामीशिनुः परमं पदम्।
नार्वाचीनो विसर्गस्य धातर्वेदितुमर्हति।।

हे परम नियामक! आप तीनों गन्तव्यों (स्वर्ग लोक में पहुँचना, मानव रूप में जन्म तथा नरक में यातना) को नियन्त्रण में रखने वाले हैं, फिर भी आपका परम धाम बैकुंठलोक है। चूँकि आपके द्वारा इस दृश्य जगत की उत्पत्ति के बाद हम प्रकट हुए हैं, इसीलिए हम आपके कार्यकलापों को समझने में असमर्थ हैं। इसीलिए हमारे पास आपको अर्पित करने के लिए नमस्कार करने के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं है।

ॐ नमस्तेऽस्तु भगवान्नारायण वासुदेवादिपुरुष महापुरुष
महानुभाव परममङ्गल परमकल्याण परमकारुणिक केवल
जगदाधार लोकैकनाथ सर्वेश्वर लक्ष्मीनाथ परमहंसपरिव्राजकैः
परमेणात्मयोगसमाधिना परिभावितपरिस्फुटपारमहंस्य–
धर्मेणोद्घाटिततमः कपाटद्वारे चित्तेऽपावृत आत्मलोके
स्वयमुपलब्धनिजसुखानुभवो भवान्।।

हे भगवान्, हे नारायण, हे वासुदेव, हे आदि पुरुष, महापुरुष, परम अनुभव, परम शुभ! हे परम वरदान स्वरूप, परम करुणामय तथा अपरिवर्तनीय। हे दृश्य जगत के आधार, हे समस्त लोकों तथा प्रत्येक पदार्थ के एकमात्र स्वामी तथा भाग्य की देवी के पति! आपका साक्षात्कार केवल श्रेष्ठ संन्यासी ही कर पाते हैं, जो भक्तियोग में पूरी तरह समाधि-मग्न होकर सारे विश्व में कृष्णचेतनामृत का उपदेश देते हैं। वे अपने ध्यान को आप में ही केन्द्रिभूत रखते हैं, इसीलिए अपने शुद्ध अन्तःकरण में आपके स्वरूप को प्राप्त करते हैं। जब उनके हृदयों का अन्धकार पूरी तरह हट जाता है और आपका सक्षात्कार होता है तब उन्हें आपके दिव्य स्वरूप का दिव्य आनन्द प्राप्त होता है। ऐसे व्यक्तियों के सिवाय और कोई आप का अनुभव नहीं कर पाता, इसीलिए हम लोग आपको सादर नमस्कार करते हैं।

हंसाय दह्रनिलयाय निरीक्षकाय कृष्णाय मृष्टयशसे निरुपक्रमाय।
सत्सङ्ग्रहाय भवपान्थनिजाश्रमाप्ता–वन्ते परीष्टगतये हरये नमस्ते।।

हे भगवान्! हे परम् शुद्ध! आप सबों के अन्तः स्थल में रहते हैं और प्रत्येक जीवात्मा की सभी आकांक्षाओं तथा गतिविधियों का निरीक्षण करते हैं। हे भगवान्, जो श्रीकृष्ण के रूप में विख्यात हैं, आपका यश अत्यन्त प्रकाशमान है। आपका आदि नहीं है क्योंकि आप प्रत्येक वस्तु के उद्गम हैं। शुद्ध भक्त इससे परिचित हैं क्योंकि आप शुद्ध तथा सत्यनिष्ठ के लिए सुगम हैं। जब करोड़ों वर्षों तक भौतिक जगत में भटकने के बाद बद्धात्माएँ आपके चरणकमलों पर मुक्त होकर शरण पाती हैं, तो उन्हें जीवन का परम लक्ष्य प्राप्त हो जाता है। इसीलिए हे भगवान्! हम आपके चरणाविन्द को सादर नमस्कार करते हैं।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री अनिल टिवड़ेवाल आन्ध्र प्रदेश	**श्री संजय गोयल** आन्ध्र प्रदेश	**श्री श्याम सुन्दरम बगड़िया** आन्ध्र प्रदेश	**श्री किशन लाल चौधरी** श्रीपूरम, विशाखापट्टनम, आन्ध्र प्रदेश	**श्री आयुष हिसारिया** मेन रोड, सीतामढ़ी, बिहार
श्री अभय कानोड़िया बाधा बाजार, पं. चम्पारण, बिहार	**श्री अभय कृष्ण कानोड़िया** फ्रेजर रोड, पटना, बिहार	**श्री अभय कुमार सोंथलिया** बारहाथ, गोड्डा, बिहार	**श्री अभिषेक अग्रवाल** सुगौली बाजार, ईस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री अभिषेक भारती** मधेपूरा, बिहार
श्री अभिषेक चमड़ियाँ पटेल बाबू रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री अभिषेक कुमार मुरारका** पटेल बाबू रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री अभिषेक नाहटा** खुटौना बाजार, मधुबनी, बिहार	**श्री अभिषेक सरावगी** सरावगी चौक, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री आदित्य मालू (जैन)** नया बाजार, भागलपुर, बिहार
श्री अजय अग्रवाल वैनी पूसा रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्री अजय कुमार अग्रवाल** अररिया, बिहार	**श्री अजय कुमार जालान** साहेबगंज, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री अजय कुमार केडिया** अररिया आर.एस. अटरिया, बिहार	**श्री अजय सराफ** सुरसंड रोड, सीतामढ़ी, बिहार
श्री आकाश अग्रवाल मेन रोड, मधेपुरा, बिहार	**श्री अखिल अजेय** पं. चम्पारण, बिहार	**श्री अखिल कुमार** जादवपुर रोड, गोपालगंज, बिहार	**श्री अक्षय कुमार रूँगटा** जलालगढ़, पुर्णिया, बिहार	**श्री आलोक कुमार अग्रवाल** सुजागंज बाजार, भागलपुर, बिहार
श्री आलोक कुमार अग्रवाल सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री आलोक कुमार बारबरिया** हसनपुर, समस्तीपुर, बिहार	**श्री आलोक कुमार खेतान** बाटा गली, भागलपुर, बिहार	**श्री आलोक नाहटा** खुटौना बाजार, मधुबनी, बिहार	**श्री अमन गर्ग** मेन रोड, जोगबनी, बिहार
श्री अमन कुमार झुनझुनवाला श्याम प्लाजा मार्केट, सिवान, बिहार	**श्री अमन कुमार** पंचवीर, बेगुसराय, बिहार	**श्रीमती अम्बीका देवी अग्रवाल** मंदरोजा, भागलपुर, बिहार	**श्री अमित भुवानियाँ** नाथनगर, भागलपुर, बिहार	**श्री अमित कुमार** पटेल बाबू रोड, भागलपुर, बिहार
श्री अमित कुमार अग्रवाल बलैक रोड, समस्तीपुर, बिहार	**डॉ. अमित कुमार अग्रवाल** खुटौना, मधुबनी, बिहार	**श्री अमित कुमार भारती** स्टेशन रोड, मदेपुरा, बिहार	**श्री अमित कुमार चोपड़ा** नरहीया, मधुबनी, बिहार	**श्री अमित कुमार लोढ़ा** खुटौना, मधुबनी, बिहार
श्री अमित कुमार वर्मा खरमन चक, भागलपुर, बिहार	**श्री अमित रूँगटा** मेन रोड, गोपालगंज, बिहार	**श्री आनंद कुमार बजाज** नया बाजार, बैलहाटा, सिवान, बिहार	**श्री आनंद कुमार डोकानियाँ** राजनगर, मधुबनी, बिहार	**श्री आनंद कुमार झुनझुनवाला** न्यु मार्केट, वेस्ट चम्पारण, बिहार
श्री आनंद कुमार मित्तल फतेहपुर, सिवान, बिहार	**श्री आनंद कुमार मोदी** जलालगढ़, पुर्णिया, बिहार	**श्री आनंद कुमार सलारपुरिया** गुरुद्वारा रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री अनिल कुमार** किशुन कटरा, सिवान, बिहार	**श्री अनिल कुमार जैन** खुटौना, मधुबनी, बिहार
श्री अनिल कुमार जैन (राजा जैन) बौंसी रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री अनिल कुमार केशान** सोना बाबु चौक, बेंतिया, बिहार	**श्री अनिल कुमार लाठ** सुरसंड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री अनिल सिकरीया** रक्सौल, ईस्ट चम्पारण, बिहार	**श्रीमती अंकिता अग्रवाल** स्टेट बैंक रोड, मधेपुरा, बिहार
श्री अंजनी कुमार हिसारिया ओल्ड एक्सचेंज रोड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्रीमती अंजु देवी** वैनी पुसा रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्री अंकित अग्रवाल** गोपालगंज, बिहार	**श्री अंकित अग्रवाल** पिरपैंती, भागलपुर, बिहार	**श्री अंकित कुमार** ब्लैक रोड, समस्तीपुर, बिहार
श्री अंकित कुमार बंका सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री अंकित कुमार जीवराजका** पोस्ट आफिस, मधेपुर, बिहार	**श्री अंकित रूँगटा** मेन रोड, बेगुसराय, बिहार	**श्री अंकुर गोयल** पुस्तकालय रोड, बक्सर, बिहार	**श्री अंकुर सुरेका** तिलक मैदान रोड, मुजफ्फरपुर, बिहार
श्री अनुप कुमार अग्रवाल ओल्ड जी.टी. रोड, औरंगाबाद, बिहार	**श्री अनुप कुमार अग्रवाल** लोंकही, मधुबनी, बिहार	**श्री अनुप कुमार भालोटिया** पंडित कटरा, भागलपुर, बिहार	**श्री अनुप कुमार खेतान** श्री मार्केट, भागलपुर, बिहार	**श्री अपूर्वा सुरेका** तिलक मैदान रोड, मुजफ्फरपुर, बिहार
श्री अर्जुन कुमार राम थाना साहेबपुर, बेगुसराय, बिहार	**श्री अर्जुन कुमार शाह** पुरैनी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री अर्पित जालान** आनंद अस्पताल रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री अरुण कुमार बजाज** बौंसी, बंका, बिहार	**श्री अरुन कुमार छापोलिया** न्यु मार्केट, वेस्ट चम्पारण, बिहार
श्री अरुण कुमार जगनानी दीन दयाल नगर, सिवान, बिहार	**श्री अरविन्द पोद्दार** मिर्जापुर, दरभंगा, बिहार	**श्री आशीष अग्रवाल** सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री आशीष अग्रवाल** ओल्ड एक्सचेंज रोड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री आशीष जैन** खुटौना बाजार, मधुबनी, बिहार
श्री आशीष कुमार अग्रवाल जलालगढ़, पुर्णिया, बिहार	**श्री आशीष कुमार चौधरी** लाल बाग, दरभंगा, बिहार	**श्री आशीष कुमार गोपालिका** आर.आर. सिन्हा रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री आशीष कुमार मंडावेवाला** ईशीपुर, भागलपुर, बिहार	**श्री आशीष कुमार टिबड़ेवाल** ईशीपुर, भागलपुर, बिहार
श्री अशोक अग्रवाल छपरा, सारण, बिहार	**श्री अशोक कानोड़िया** सुप्रिया रोड, बेंतिया, बिहार	**श्री अशोक कटारुका** शेरमारी बाजार, भागलपुर, बिहार	**श्री अशोक कुमार** रजिस्ट्री कचहरी रोड, सिवान, बिहार	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** पंचवीर, बेगुसराय, बिहार
श्री अशोक कुमार अग्रवाल अररिया, बिहार	**श्री अशोक कुमार बजाज** बौंसी, बंका, बिहार	**श्री आत्माराम खेतान** सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री अतुल ढाँढनियाँ** सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री बजरंग प्रसाद अग्रवाल** वैनी पुसा रोड, समस्तीपुर, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री बजरंग लाल अग्रवाल अररिया, बिहार	**श्री बाल कृष्ण सुन्दरका** विजय शंकर चौक, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री बालदेव टिबड़ेवाल** पिरपैंती, भागलपुर, बिहार	**श्री बनवारी लाल सोंथलिया** पिरपैंती, भागलपुर, बिहार	**श्रीमती बीणा पचेरीवाल** कटारी हिल रोड, गया, बिहार
श्रीमती बेला देवी अग्रवाल सुरसंड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री भारत भूषण सर्राफ** चर्च रोड, वेस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री भारत कुमार पालीवाल** पुसा रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्री भरत लाल सिंघानियाँ** बेनीपट्टी, मधुबनी, बिहार	**श्रीमती भारती चोंपड़ा** नरहिया बाजार, मधुबनी, बिहार
श्री बिजय कुमार पोद्दार वार्ड नं.-१६, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री बिकाश कुमार अग्रवाल** राम जानकी लेन, भागलपुर, बिहार	**श्री बिमल कुमार अग्रवाल** ईशीपुर, भागलपुर, बिहार	**श्री विमल कुमार मांडीवाल** जलालगढ़, पुर्णिया, बिहार	**श्री बिमलेश कुमार सरावगी** सुरसंड, सीतामढ़ी, बिहार
श्री बिनय केडिया वार्ड नं.-४, अररिया, बिहार	**श्री बिनोद कुमार भरतियाँ** सिकन्दरपुर, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री बिनोद कुमार कारुनडिया** अस्पताल रोड, सिवान, बिहार	**श्रीमती बीणु पंचेरीवाल** पटेल बाबु रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री बीरेन्द्र कुमार मित्तल** महावीर चौक, मधुबनी, बिहार
श्री बिष्णु अग्रवाल मेन रोड, जोगबनी, बिहार	**श्री विश्वम्भर अग्रवाल** सुगौली बाजार, ईस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री ब्रज मोहन रुँगटा** मेन रोड, बेगुसराय, बिहार	**श्री चंदन खण्डेलवाल** चुनीहारी टोला लेन, भागलपुर, बिहार	**श्री चर्तुभुज गोयल** जोगबनी, बिहार
श्री चेतन कुमार मुनका मस्जिद रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री चेतन कुमार टिबड़ेवाल** पिरपैंती, भागलपुर, बिहार	**श्रीमती चित्रा सराफ** मेन रोड, वार्ड नं.-२०, मधेपुरा, बिहार	**श्री दामोदर गड़िया** मेन रोड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री दामोदर कुमार कलंत्री** लौंकहा, मधुबनी, बिहार
श्री दीपक अग्रवाल मेन रोड, जोगबनी, बिहार	**श्री दीपक अग्रवाल** मेन रोड, जोगबनी, बिहार	**श्री दीपक कुमार अग्रवाल** ईस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री दीपक कुमार अग्रवाल** अपो-दुर्गा हाल, ईस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री दीपक कुमार मावंडिया** सत्संग भवन रोड, नकाछिया, बिहार
श्री दीपक कुमार रुँगटा डॉ. आर. पी. रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री दीपक कुमार सरावगी** सुरसंड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री दीपक कुमार टिबड़ेवाल** न्यु मार्केट, वेस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री दीपक राजगढ़िया** सिध्रवाला, गोपालगंज, बिहार	**श्री दिलीप कुमार** हसनपुर रोड, समस्तीपुर, बिहार
श्री दिलीप कुमार अग्रवाल ईस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री दिलीप कुमार अग्रवाल** खुटौना बाजार, मधुबनी, बिहार	**श्री दिलीप कुमार सर्राफ** बौंसी, बंका, बिहार	**श्री दिनेश अग्रवाल** सुगौली बाजार, ईस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री दिनेश कुमार धिरासरिया** राजनगर, मधुबनी, बिहार
श्री दिनेश कुमार केडिया भागलपुर, बिहार	**श्री दिनेश कुमार खण्डेलवाल** ईस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री दिनेश कुमार सरावगी** सुरसंड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री दीपक कुमार जैन** चुनीहारी टोला, भागलपुर, बिहार	**श्री दीपक कुमार जीवराजका** मधेपुरा, मधुबनी, बिहार
डॉ. अमित रंजन सुल्तानियाँ वेनीपट्टी, मधुबनी, बिहार	**डॉ. प्रभात रंजन सुल्तानियाँ** बेनीपट्टी, मधुबनी, बिहार	**डॉ. विवेक कुमार** मेन रोड, मधेपुरा, बिहार	**श्री विमल कुमार बेरोलिया** बेनीपट्टी, मधुबनी, बिहार	**श्री गज़ानंद अग्रवाल** वार्ड नं.-३, अररिया आर. एस., अररिया, बिहार
श्री गणेश कुमार कानोड़िया माल्हीपुर रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्री गौरव चौधरी** मेन रोड, वेस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री गौरी शंकर शारदा** लौंकहा, मधुबनी, बिहार	**श्री घनश्याम ब्यास** नेशनल मार्केट, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री गिरीजा शंकर सरैया** मारवाड़ी टोला लेन, भागलपुर, बिहार
श्री गोविन्द प्रसाद मस्करा मेन रोड, ईस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री गोपाल बाजोरिया** सीताराम चौक के नजदीक, सीतामढ़ी बिहार	**श्री गोपाल कुमार अग्रवाल** काली स्थान रोड, वेस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री गोपाल कुमार सोमानी** बबुनीया रोड, सिवान, बिहार	**श्री गोपाल प्रसाद अग्रवाल** खुटौना बाजार, मधुबनी, बिहार
श्री गोपाल प्रसाद धनधारियाँ ईस्लामपुर रोड्, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री गोपाल प्रसाद धिरासरिया** राजनगर, मधुबनी, बिहार	**श्री गोपेश कुमार लिल्हा** कमतौल, दरभंगा, बिहार	**श्री गौरव अग्रवाल** वैनी पुसा रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्री गौतम कडेल** सोनापट्टी, भागलपुर, बिहार
श्री गौतम कुमार जालान मेन रोड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री गौतम कुमार पंसारी** नया बाजार, सिवान, बिहार	**श्री गोविन्द कुमार अग्रवाल** छपरा, सारण, बिहार	**श्री गोविन्द कुमार अग्रवाल** मेन रोड, जोगबनी, बिहार	**श्री गोविन्द कुमार चनानी** मेहरमा, गोड्डा, बिहार
श्रीमती गुड़िया सिंघानियाँ मेन रोड, बेनीपट्टी, मधुबनी, बिहार	**श्री हनुमान प्रसाद** ईस्ट चम्पारण, बेंतिया, बिहार	**श्री हरिमोहन खेमका** पुरानी बाज़ार, वेस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री हरिश कडेल** सोनापट्टी, भागलपुर, बिहार	**श्री हरिश कुमार केडिया** बौंसी, बंका, बिहार
श्री हर्ष बिल्टु अग्रवाल राजेन्द्र प्रसाद रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री हीरा अग्रवाल** ईस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री हितेष कुमार मुरारका** बासोपट्टी, मधुबनी, बिहार	**श्रीमती जागृती कुमारी** गुलजार बाग मौहल्ला, मधेपुरा, बिहार	**श्री जय प्रकाश बजाज** बौसी, बंका, बिहार
श्री जय प्रकाश सिंघानियाँ बेनीपट्टी, मधुबनी, बिहार	**श्री जय प्रकाश अग्रवाल** पिरपैंती, भागलपुर, बिहार	**श्री जितेन्द्र वर्मा** सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री जिवाच्छ मुरारका** बासोपट्टी, मधुबनी, बिहार	**श्रीमती जूही सिंघानियाँ** बेनी पट्टी, मधुबनी, बिहार
श्रीमती ज्योति सुल्तानियाँ मधेपुरा, बिहार	**श्री कैलाश चन्द्र अग्रवाल** मेन रोड, जोगबनी, बिहार	**श्री कैलाश कुमार हिसारीयाँ** कोर्ट बाजार, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री कैलाश प्रसाद अग्रवाल** न्यु मार्केट, वेस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री कैलाश प्रसाद झुनझुनवाला** जय प्रकाश नगर, सिवान, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्रीमती काजल चौधरी पुरानी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्रीमती काजल हिसारीयाँ** मेन रोड, बेगुसराय, बिहार	**श्री कमल कुमार मोदी** जलालगढ़, पुर्णियाँ, बिहार	**श्री कमल प्रसाद तुलस्यान** भगवानपुर, बैशाली, बिहार	**श्री कमल सर्राफ** लाल बाजार, ईस्ट चम्पारण, बेंतिया, बिहार
श्री कन्हैंया जैन खुटौना, मधुबनी, बिहार	**श्री कन्हैयालाल परसुरामका** ईशीपुर, भागलपुर, बिहार	**श्री कन्हैया टिबड़ेवाल** मधेपुर, मधुबनी, बिहार	**श्री काशी प्रसाद कटारुका** पिरपैती, भागलपुर, बिहार	**श्री कौशल कुमार बजाज** बौंसी, बंका, बिहार
श्रीमती कविता सराफ मधेपुरा, बिहार	**श्री केशव आनंद** वार्ड नं. १८, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री केशव कुमार बजाज** लोंकही, मधुबनी, बिहार	**श्री केशव कुमार चौधरी** जलालगढ़, पुर्णिया, बिहार	**श्री केतन कुमार मांडीवाल** जलालगढ़, पुर्णिया, बिहार
श्रीमती किरण केजरीवाल योगेन्द्र मुखर्जी लेन, मुज्जफरपुर, बिहार	**श्री कृष्ण कुमार मस्करा** मेन रोड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री कृष्णा अग्रवाल** वैंनी पुसा रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्री कृष्णा चैतन्य अग्रवाल** वेस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री कृष्णा कुमार अग्रवाल** ब्रिक्स, सिवान, बिहार
श्री कृष्णा कुमार अग्रवाल खुटौनी, मधुबनी, बिहार	**श्री कृष्णा कुमार अग्रवाल** सुगौली बाजार, ईस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल** मेन रोड, जोगबनी, बिहार	**श्री कृष्ण कुमार भरतियाँ** छपरा, सारण, बिहार	**श्री कृष्ण कुमार चौधरी** जलालगढ़, पुर्णिया, बिहार
श्री कृष्ण कुमार सर्राफ शंकर चौक, मधुबनी, बिहार	**श्री कुंज बिहारी मंडावावाला** ईशीपुर, भागलपुर, बिहार	**श्री लक्ष्मण कुमार मोदी** सुगौली बाजार, ईस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री ललित कुमार जैन** मेन रोड, मधुबनी, बिहार	**श्री लक्ष्मण प्रसाद मुरारका** बासोपट्टी, मधुबनी, बिहार
श्री लक्ष्मी नारायण पुरोहित डी.एन. सिंह रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री लोकेश कुमार सोनी** मारवाड़ी टोला, भागलपुर, बिहार	**श्री मदन लाल अग्रवाल** केडिया टोला, अररिया, बिहार	**श्री मदन लाल खण्डेलवाल** नारियल बाजार, मधुबनी, बिहार	**श्री माधव कलेश्वर सराफ** शंकर चौक, मधुबनी, बिहार
श्रीमती मधु टिबड़ेवाल मेन बाजार, मधेपुर, मधुबनी, बिहार	**श्री मधुसूदन नथानी** शास्त्री नगर, वेस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री महावीर मोदी** गली १०-११, लुधियाना, पंजाब	**श्री महेन्द्र कुमार अग्रवाल** रामनगर, वेस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री महेन्द्र कुमार जैन** खुटौना बाजार, मधुबनी, बिहार
श्री महेश कुमार हिसारियाँ नेशनल मार्केट, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री महेश कुमार केडिया** केडिया टोला, अररिया, बिहार	**श्री महेश कुमार सर्राफ** जनकपुर बाजार, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री मनीष ढाँढ़नियाँ** सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री मनीष हिसारीयाँ** पुनौरा, सीतामढ़ी, बिहार
श्री मनीष कुमार बालुघाट, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री मनीष कुमार अग्रवाल** उर्दू बाजार रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री मनीष कुमार अग्रवाल** डॉ. आर.पी. रोड, भागपुर, बिहार	**श्री मनीष कुमार अग्रवाल** समस्तीपुर, बिहार	**श्री मनीष कुमार अग्रवाल** बौंसी, बंका, बिहार
श्री मनीष कुमार भुवानियाँ कोतवाली, भागलपुर, बिहार	**श्री मनीष कुमार सरावगी** मेन रोड, लोहापट्टी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री मनीष कुमार सुल्तानियाँ** मेन रोड, मधेपुरा, बिहार	**श्री मनीष कुमार वर्मा** सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री मनोहर कुमार राठी** मेन रोड, जोगबनी, बिहार
श्री मनोज खेतान मानीकपीर, भागलपुर, बिहार	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** सुरसंड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** मधेपुरा, मधुबनी, बिहार	**श्री मनोज कुमार डागा** जवाहर लाल रोड, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री मनोज कुमार डोकानियाँ** गुरुद्वारा रोड, भागलपुर, बिहार
श्री मनोज कुमार डोकानियाँ पोस्ट आफिस रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री मनोज कुमार झुनझुनवाला** सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री मनोज कुमार केडिया** पुरैनी बाजार, मधेपुरा, बिहार	**श्री मनोज कुमार खण्डेलवाल** सुगौली बजार, ईस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री मनोज कुमार मोदी** जलालगढ़, पुर्णिया, बिहार
श्री मनोज कुमार पालीवाल पुसा रोड, समस्तीपुर, बिहार	**श्री मनोज कुमार शाह** सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री मनोज कुमार टिबड़ेवाल** पुस्तकालय रोड, बक्सर, बिहार	**श्री मनोज कुमार टिबड़ेवाल** सिकन्दरपुर, मुज्जफरपुर, बिहार	**श्री मनोज पंसारी** जलालगढ़, पुर्णिया, बिहार
श्रीमती मीरा नेमानी बालुघाट, मुज्जफरपुर, बिहार	**श्री मोहन लाल झुनझुनवाला** तीन लालटेन चौक, वेस्ट चम्पारण, बिहार	**श्री मोतीलाल अग्रवाल** मोतीपुर, मुज्जफरपुर, बिहार	**श्री मुकेश भुवानियाँ** बौंसी, बंका, बिहार	**श्री मुकेश कुमार** पुरैनी, मधेपुरा, बिहार
श्री मुकेश कुमार अग्रवाल सेमापुर, कटिहार, बिहार	**श्री मुकेश कुमार डालमियाँ** बौंसी, बंका, बिहार	**श्री मुकेश कुमार केडिया** मोतीझील, मुज्जफरपुर, बिहार	**श्री मुकेश कुमार तुलस्यान** सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री मुकुन्द कुमार लाडिया** मधेपुर, मधुबनी, बिहार
श्री मुकुन्द कुमार रुँगटा शास्त्री नगर, सिवान, बिहार	**श्री मुन्ना प्रसाद तुलस्यान** जादवपुर रोड, गोपालगंज, बिहार	**श्रीमती मुन्नी कुमारी** सुभाष चौक, मेन रोड, मधेपुरा, बिहार	**श्री मुरारी लाल चौधरी** रोसड़, समस्तीपुर, बिहार	**श्री मुरारी लाल उदयका** गोला चौक, कोर्ट बाजार
श्री मुरारी पटवारी चौसा, मधेपुरा, बिहार	**श्री नंद कुमार बुबना** शंकर चौक, मधुबनी, बिहार	**श्री नारायण कुमार अग्रवाल** मेन रोड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री नारायण कुमार अग्रवाल** अदापुर, श्यामपुर बजार, बिहार	**श्री नारायण कुमार कलंत्री** लौंकहा, मधुबनी, बिहार
श्री नारायण कुमार केजरीवाल सुजागंज, भागलपुर, बिहार	**श्री नारायण मस्करा** गुदड़ी रोड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री नारायण प्रसाद सुन्दरका** गुदड़ी चौक, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री नरेन्द्र टिबड़ेवाल** पिरपैंती, भागलपुर, बिहार	**श्री नरेश कुमार अग्रवाल** सुतापट्टी, मुज्जफरपुर, बिहार

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 30th October 2021
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com